अध्याय– द्वितीय

संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन

प्रस्तुत अध्याय मे वर्तमान शोध कार्य से संबंधित पूर्व में हुए शोध कार्यो एवं साहित्य का पुनरावलोकन किया गया है। हाईस्कूल कक्षाओ में विज्ञान दक्षता उपलब्धियों एवं चयनित क्षेत्र के हाईस्कूल विद्यालयों पर विशेष शोध कार्य के अभाव में उनसे संबंधित साहित्य एवं शोध कार्यो का संक्षिप्त पुनरावलोकन निम्न प्रकार से है।

दास (1968) "कक्षा नवमी के विद्यार्थियों के विज्ञान उपलब्धि स्तर पर उपचारात्मक शिक्षण के प्रभाव का अध्ययन किया"। इस अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य कथा नवमी के विद्यार्थियो पर विज्ञान के उपचारात्मक शिक्षा के प्रभाव का निर्धारण करना था। इस अध्ययन से निष्कर्ष निकला कि कक्षा नवमी के उपलब्धि स्तर पर उपचारात्मक शिक्षण का सार्थक प्रभाव पाया जाता है।

ओझा (1979) हाईस्कूल के बच्चों की विज्ञान शैक्षिक उपलब्धि और सामाजिक आर्थिक स्तर के सहसंबंध का अध्ययन किया गया। इस अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि उच्च सामाजिक आर्थिक उपलब्धि अच्छी होती है। ग्रामीण एवं शहरी छात्र छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि माता– पिता को शिक्षा, व्यवसाय एवं आय से संबंधित है।

जैन (1979) के शोध परिणामों के अनुसार हाईसकूल स्तर पर विज्ञान अधिगम को प्रभावित पृष्ठभूमि, अभिप्रेरणा की मात्रा, अध्ययन के घंटे आदि है।

मध्यप्रदेश के हाईस्कूल के छात्रों में विज्ञान विषय में निम्न परिणाम होने के लिये उत्तरदायी कारक इस प्रकार है।

1) शिक्षक की विलम्ब से नियुक्ति एवं शिक्षकों का बार–बार स्थानान्तरण तथा शिक्षकें की अनुपलब्धता।

2) कक्षा कक्ष, श्यामपट और अन्य भौतिक सुविधाओं की कमी।

3) छात्रों की अनियमित उपस्थिति।

4) विद्यार्थियों की निचली कक्षाओं में निम्न मानक स्तर।

5) पाठ्यपुस्तकों की अनुपलब्धता।

6) गृह कार्य व समय में अनुचित संबंध।